मस्क की कंपनियां भी रह गईं पीछे, भारत के भरोसे ऐपल ने रचा इतिहास, बन गई दुनिया की सबसे वैल्युएबल कंपनी

महानगर टाइम्स संवाददाता

हैदराबाद। मार्क कैप के मामले में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। दिग्गज टेक कंपनी ऐपल ने चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया को पछाड़कर दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का ताज दोबारा अपने नाम कर लिया है।

अमेरिकी शेयर बाजार में ऐपल की मार्केट वैल्यू बढ़कर 4.9 ट्रिलियन डॉलर (करीब 411 लाख करोड़ रुपए) पर पहुंच गई है, जबकि एनवीडिया के शेयरों में 3.5 फीसदी की गिरावट आने से उसकी मार्केट कैप 4.86 ट्रिलियन डॉलर रह गई है।

भारत में उत्पादन और निवेशकों का बढ़ता भरोसा: ऐपल की इस ऐतिहासिक कामयाबी के पीछे भारत का बहुत बड़ा हाथ है। भारत में कंपनी के बेहतर होते प्रोडक्शन और बढ़ती बिजनेस ग्रोथ ने वैश्विक निवेशकों का भरोसा जीतने में मदद की है। पिछले एक महीने में ही कंपनी के शेयरों में 20 फीसदी

का भारी उछाल देखा गया है। इसके अलावा, ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों ने भी ऐपल को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। हाल ही में दिग्गज वित्तीय संस्था एचएसबीसी ने ऐपल के शेयरों को 'बाय' रेटिंग दी है, जिससे बाजार में इसकी मांग और तेज हो गई है। वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती लोकप्रियता के बीच एनवीडिया पिछले एक साल से दुनिया की सबसे महंगी कंपनी बनी हुई थी। जानकारों का कहना था कि ऐपल शुरुआत में एआई की रेस में पिछड़ रही थी और अपने एआई मॉडल्स पर ज्यादा निवेश नहीं कर रही थी। लेकिन अब ऐपल ने अपनी रणनीति बदल दी है। कंपनी ने अपनी मजबूत एआई सर्विसेज, इकोसिस्टम लॉक-इन और हार्डवेयर अपग्रेड के दम पर बाजार में जोरदार वापसी की है।

सितंबर में लॉन्च होगा फोल्डेबल आईफोन

दुनियाभर के ब्रोकरेज हाउस इस समय ऐपल पर बड़ा दांव लगा रहे हैं, जिसके पीछे की मुख्य वजह सितंबर में होने वाली एक बड़ी लॉन्चिंग है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल आगामी सितंबर महीने में अपना पहला फोल्डेबल आईफोन लॉन्च करने की तैयारी में है। जापानी स्टॉक एक्सचेंज 'निक्की' के अनुसार, ऐपल ने अपने सप्लायर्स को 10 मिलियन (1 करोड़) फोल्डेबल आईफोन तैयार रखने के निर्देश दिए हैं, जबकि पहले यह टारगेट 70 से 80 लाख यूनिट्स का था। उत्पादन में यह बढ़ोतरी दिखाती है कि ऐपल आने वाले महीनों में बड़ी आक्रामकता के साथ बाजार पर कब्जा करने जा रही है।

एनवीडिया का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बरकरार

भले ही एनवीडिया मौजूदा मार्केट कैप की रेस में ऐपल से पीछे छूट गई हो, लेकिन इतिहास में सबसे तेज तरक्की करने का उसका रिकॉर्ड अब भी बरकरार है। एनवीडिया ने बीते अक्टूबर महीने में 5 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट कैप का जादुई आंकड़ा पार कर इतिहास रचा था। कंपनी को अपने एआई इन्वेस्टमेंट्स और ग्राफिक्स प्रोसेसर्स (जीपीयूएस) की भारी वैश्विक मांग का जबरदस्त फायदा मिला है। हालांकि, मौजूदा समय में कंज्यूमर टेक और बेहतर एआई सर्विसेज के दम पर बाजी पूरी तरह से ऐपल के हाथ में दिखाई दे रही है।

पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा, पाकिस्तान सरकार ने बढ़ाए दाम

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। सरकारी फरमान जारी किया गया है जिसके मुताबिक अब ईंधन की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी। इस ऐलान का जमीन पर विरोध भी दिखने लगा है।

पाकिस्तान में बढ़ी पेट्रोल-डीजल की कीमत : सरकार ने पेट्रोल 5.44 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपये) प्रति लीटर और डीजल 31.05 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर महंगा किया है। नई दरें शनिवार से लागू हो गई और ये 20 जुलाई तक प्रभावी रहेंगी। बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 316.15 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 354.35 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो गई है।

अब रोजाना तय होगी पेट्रोल-डीजल की कीमत : पाकिस्तान के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक डॉन ने बताया कि पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव और ईरान-अमेरिका तनाव के कारण अब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी। उन्होंने बताया कि वजीर-ए-आजम और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी (ओजीआरए) को अंतरराष्ट्रीय बाजार के आधार पर प्रतिदिन ईंधन की कीमतें तय करने की जिम्मेदारी सौंपी है। ओजीआरए अब अपनी वेबसाइट पर कीमतों के साथ-साथ उनके निर्धारण के आधार भी सार्वजनिक करेगा। मार्च की शुरुआत से पाकिस्तान सरकार हर सप्ताह ईंधन की कीमतों की समीक्षा कर रही थी। साथ ही, मध्य पूर्व में संघर्ष के चलते संभावित तेल आपूर्ति संकट को देखते हुए ईंधन बचत के उपाय और अप्रेल में लक्षित ईंधन सब्सिडी भी लागू की गई थी।

पेट्रोल-डीजल पर कितना टैक्स वसूल रही पाकिस्तान की सरकार: सरकार फिलहाल पेट्रोल और डीजल पर लगभग 105 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर विभिन्न करों और शुल्कों के रूप में वसूल रही है। इसमें कस्टम ड्यूटी, पेट्रोलियम लेवी, क्लाइमेट सपोर्ट लेवी और इनलैंड फ्रेट इक्वलाइजेशन मार्जिन (आईएफईएम) शामिल हैं। ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने ईंधन की कीमतें रोजाना तय करने के फैसले का विरोध किया है। संगठन ने कहा कि वह अगले सप्ताह इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की रणनीति तैयार करेगा। पेट्रोल का इस्तेमाल मुख्य रूप से निजी वाहन, मोटरसाइकिल, ऑटो-रिक्शा और छोटे वाहनों में होता है, इसलिए इसकी कीमत बढ़ने का सीधा असर मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग पर पड़ता है। वहीं, डीजल का उपयोग भारी परिवहन, बिजली संयंत्रों और बड़े जनरेटरों में होने के कारण इसकी कीमत बढ़ने से माल ढुलाई और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है।

जून में निर्यात 15.54 फीसदी बढ़कर हुआ 40,413.69 मिलियन डॉलर

चावल और मीट प्रोडक्ट्स की दिखी सबसे ज्यादा मांग

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जून 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय निर्यात क्षेत्र के लिए जून 2026 का महीना काफी उत्साहजनक रहा है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत के कुल निर्यात में सालाना आधार पर 15.54 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2026 में भारत का कुल निर्यात 40,413.69 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी महीने (जून 2025) में 34,978.85 मिलियन डॉलर था। इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान इंजीनियरिंग गुड्स और इलेक्ट्रॉनिक गुड्स का रहा है।

इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात 20.74 फीसदी बढ़कर 11,478.69 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक गुड्स में 18.93 फीसदी की तेजी देखी गई।

आयात में भी देखी गई बड़ी बढ़त: जून 2026 में भारत का कुल आयात 70,842.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो जून 2025 के 54,076.29 मिलियन डॉलर के मुकाबले 31 फीसदी अधिक है। आयात में सबसे अधिक वृद्धि कच्चे तेल, दालों और सोने में देखी गई है। दालों के आयात में 192.72 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि हुई है।

प्रमुख सेक्टरों का प्रदर्शन (निर्यात)

चावल : 16.48 फीसदी की वृद्धि के साथ 1,000.33 मिलियन डॉलर।
मीट, डेयरी और पोल्ट्री : 54.63 फीसदी की भारी बढ़त।
लौह अयस्क : 49.97 फीसदी की वृद्धि।
रत्न और आभूषण : 34.64 फीसदी की बढ़त के साथ 2,407.18 मिलियन डॉलर।
हालांकि, चाय (-19.21 फीसदी), तिलहन (-10.75 फीसदी) और तैयार कपड़ों के निर्यात में 11.25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

प्रमुख देशों के साथ व्यापारिक संबंध

निर्यात के मामले में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा गंतव्य बना हुआ है, हालांकि वहां के निर्यात में 1.21 फीसदी की मामूली गिरावट आई है। दूसरी ओर, सिंगापुर को होने वाले निर्यात में 48.91 फीसदी और चीन को होने वाले निर्यात में 31.49 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है। आयात के मोर्चे पर, चीन से होने वाला आयात 40.26 फीसदी बढ़कर 13,342.50 मिलियन डॉलर हो गया है। वहीं, रूस से होने वाले आयात में भी 85.02 फीसदी की बड़ी बढ़त देखी गई है।

भारत में ग्रीन एनर्जी की बड़ी छलांग; पहली छमाही में 25 फीसदी बढ़ी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता: प्रल्हाद जोशी

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 2026 की पहली छमाही में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 30.6 गीगावाट अधिक है। इसमें सौर ऊर्जा क्षमता में सबसे ज्यादा 43 प्रतिशत सालाना वृद्धि हुई है। जनवरी और जून 2026 के बीच 26.34 गीगावॉट क्षमता जोड़ी गई। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार 30 जून, 2026 तक अक्षय ऊर्जा (पनबिजली सहित) क्षमता 288 गीगावॉट है, जो कुल क्षमता का 52 प्रतिशत है। वहीं सौर ऊर्जा क्षमता 162 गीगावॉट और पवन ऊर्जा क्षमता 57 गीगावॉट है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने नवीनतम रिपोर्ट में कहा कि 2025 में देश की नवीकरणीय क्षमता में सालाना वृद्धि लगभग 60 प्रतिशत रही, जो प्रमुख बाजारों में सबसे तेज वृद्धि है। देश ने लगभग 50 गीगावॉट सौर पीवी क्षमता स्थापित की, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी है। 2025 में पवन ऊर्जा क्षमता में दोगुनी बढ़कर 6 गीगावॉट से अधिक हो गई। बहरहाल, आईईए ने यह भी कहा कि अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाएं भारत में मूर्त रूप नहीं ले सकीं, जिसकी प्रमुख वजह परियोजनाएं रद्द होना और देरी है। वैश्विक रूप से अपतटीय पवन ऊर्जा को कई चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है।

इसमें कहा गया है कि कई डेवलपर अपना 2030 तक का उत्पादन लक्ष्य घटा रहे हैं। आईईए ने कहा है कि अमेरिका में नीतिगत बदलाव, परियोजनाएं रद्द होने और लागत व आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियों की वजह से उत्पादन की उम्मीद कम हुई है। अक्षय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि ऐसे समय में हुई है, जब देश में ग्रिड पर दबाव बढ़ रहा है।

120 नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का काम अटका, डिजाइन नहीं हुआ फाइनल

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का इंतजार कर रहे लोगों के लिए एक बुरी खबर है। भारत और रूस की पार्टनरशिप वाली कंपनी किनेट रेलवे सॉल्यूशंस जो 120 स्लीपर ट्रेनें बना रही है, उनके आने में अब काफी समय लगेगा। अधिकारियों का कहना है कि ट्रेनों का डिजाइन अभी तक फाइनल नहीं हो पाया है। यही वजह है कि अब भारतीय रेलवे इन आधुनिक स्लीपर कोचों को जल्दी तैयार करने के लिए अपनी खुद की फैक्ट्रियों की मदद लेने जा रहा है। दरअसल, किनेट कंपनी को डिजाइन देने के लिए एक जर्मन सलाहकार को रखा गया था, लेकिन उसने अभी तक मंजूर किया हुआ फाइनल डिजाइन कंपनी को नहीं सौंपा है। कंपनी ने बताया है कि इन स्लीपर ट्रेनों का पहला मॉडल अब 2026 के अंत तक ही बनकर तैयार हो पाएगा। सूत्रों के अनुसार जब इस देरी को लेकर कंपनी से पूछा गया, तो बताया गया कि वे अपने सप्लायर्स के साथ हुए समझौतों या पैसों से जुड़ी शर्तों पर खुलकर बात नहीं कर सकते। हालांकि, उन्होंने बताया कि ट्रेन की इंजीनियरिंग और डिजाइनिंग के इस बड़े प्रोजेक्ट में 100 से ज्यादा सप्लायर्स मिलकर काम कर रहे हैं। कंपनी का दावा है कि सभी सप्लायर्स तय प्लान के मुताबिक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का डिजाइन किनेट ने खुद तैयार और जोड़कर बनाया है, जिससे उनका प्रोजेक्ट सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

होर्मुज संकट से भारत अलर्ट, कच्चे तेल और एलएनजी के लिए बदला रास्ता, अब इन देशों से हो रहा आयात

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण फारस की खाड़ी से होने वाले तरलीकृत प्राकृतिक गैस के निर्यात में भारी कमी आई है। एसएंडपी ग्लोबल एनर्जी के नए विश्लेषण के मुताबिक, इस तनाव ने 17 जून को हुए उस समझौते के असर को पूरी तरह खत्म कर दिया है, जिसका मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को बढ़ावा देना था। इस तनाव के कारण सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाया है। एसएंडपी के मुताबिक होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते सुरक्षा जोखिमों से बचने के लिए भारत ने अब संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के वैकल्पिक रास्तों से कच्चे तेल और एलएनजी का आयात करना शुरू कर दिया है। ईरान ने हाल ही में चेतावनी दी है कि अगर उसके तेल निर्यात को रोका गया, तो वह फुजैराह पाइपलाइन और सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन जैसे अन्य वैकल्पिक रास्तों को भी निशाना बना सकता है। इससे भारत सहित दुनिया भर की ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। एसएंडपी ग्लोबल एनर्जी के डेटा के अनुसार, जून के आखिर में इस रास्ते से रोजाना औसतन 0.8 एलएनजी जहाज गुजर रहे थे, जो 15 जुलाई तक घटकर सिर्फ 0.2 जहाज प्रति दिन रह गए हैं। पिछले एक हफ्ते में फारस की खाड़ी से केवल एक एलएनजी जहाज बाहर आ सका है। दरअसल, 7 जुलाई को कतरएनर्जी के जहाज 'अल रेकय्यात' पर हुए हमले के बाद से जहाज मालिकों में डर का माहौल है। एसएंडपी ग्लोबल एनर्जी के सीनियर प्रिंसिपल एनालिस्ट मेहरून एतेबारी का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी की आवाजाही जून की शुरुआत वाले निचले स्तर पर पहुंच गई है। अब निर्यात में कमी की मुख्य वजह एलएनजी का उत्पादन नहीं, बल्कि जहाजों की आवाजाही पर लगी पाबंदियां हैं। हैरानी की बात यह है कि कतरएनर्जी और यूएई की एडनॉक जैसी कंपनियों में एलएनजी का उत्पादन और जहाजों पर लोडिंग का काम सामान्य गति से चल रहा है। लेकिन आगे का रास्ता बंद होने की वजह से फारस की खाड़ी के अंदर ही जहाजों पर एलएनजी का एक बड़ा स्टॉक जमा हो गया है। अनुमान के मुताबिक, जुलाई के मध्य तक कतर के ही सात जहाजों में करीब 5.7 लाख मीट्रिक टन एलएनजी फंसी हुई थी। कुल मिलाकर फारस की खाड़ी के अंदर इस समय लगभग 19 लाख मीट्रिक टन क्षमता के एलएनजी टैंकर खड़े हैं, जो युद्ध से पहले के दिनों में होने वाले करीब 8 दिनों के कुल निर्यात के बराबर है।

भारत के लिए क्या हैं मायने?

भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा फारस की खाड़ी के देशों से ही आयात करता है। अगर होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट लंबा खिंचता है, तो वैकल्पिक रास्तों (यूएई और ओमान) से आयात करने के कारण भारत के लिए लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ सकती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर आने वाले हफ्तों में यह रास्ता साफ होता है, तो खाड़ी में फंसा भारी स्टॉक बेहद तेजी से वैश्विक बाजार में आएगा, जिससे भारत को भी बड़ी राहत मिलेगी।

54 साल की महिला ने बदली किस्मत, जूट के थैले बेचकर हर महीने 50000 की कमाई, टाटा भी है ग्राहक

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उम्र के जिस पड़ाव पर लोग अक्सर रिटायरमेंट या शांत जीवन की योजना बनाने लगते हैं, वहीं पंजाब के लुधियाना की रहने वाली 54 वर्षीय चरणजीत कौर महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल पेश कर रही हैं। लुधियाना के समराला के पास भगवानपुरा गांव की रहने वाली चरणजीत कौर केवल 8वीं क्लास तक पढ़ी हैं। लेकिन अपनी लगन और मेहनत के दम पर उन्होंने एक छोटे से हुनर को एक बड़े बिजनेस में बदल दिया है। आज वे देश के बड़े ब्रांड्स और विदेशों तक हाथ से बने जूट के बैग सप्लाई कर रही हैं। चरणजीत कौर का शुरुआती जीवन काफी संघर्षों से भरा था और उनके परिवार की माली हालत ठीक नहीं थी। कम उम्र में ही वे समझ गई थीं कि परिवार का सहारा बनने के लिए कुछ करना बेहद जरूरी है। जूट के बैग बनाने का हुनर सीखने का फैसला किया। उन्हें किसी का समर्थन नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने समराला के कृषि विज्ञान केंद्र से ट्रेनिंग ली, जिससे उनके काम में निखार आया और उन्होंने इस काम को एक बिजनेस के रूप में समझा।

छोटे ऑर्डर से टाटा जैसे बड़े ब्रांड्स तक का सफर

ट्रेनिंग पूरी करने के बाद चरणजीत ने घर से ही छोटे-छोटे ऑर्डर लेकर बैग बनाना शुरू किया। धीरे-धीरे उनके काम की क्वालिटी लोगों को पसंद आने लगी और ऑर्डर बढ़ने लगे। आज आलम यह है कि टाटा और जोंटी एग्रो जैसी बड़ी कंपनियां उन्हें जूट के बैग के थोक ऑर्डर देती हैं। पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ होने के कारण भारत के बाहर रहने वाले एनआरआई ग्राहक भी उनके बैग खरीदते हैं।

कितनी है बैग की कीमत

चरणजीत और उनकी टीम ग्राहकों की पसंद के हिसाब से हर आकार और डिजाइन के बैग बनाती हैं। रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले सामान्य जूट बैग की कीमत 45 रुपये से 100 रुपये के बीच होती है। वहीं, विदेशी ग्राहकों या विशेष मांग पर बनाए जाने वाले डिजाइनर और स्टोरेज बैग की कीमत 1000 रुपये तक भी जाती है।

कितनी हो रही कमाई

बिजनेस में आने वाले उतार-चढ़ाव के बावजूद, चरणजीत आज इस काम से हर महीने औसतन 50,000 रुपये कमा लेती हैं। इस कमाई से न केवल उनके घर की आर्थिक स्थिति सुधरी है।

pnb पंजाब नैशनल बैंक .....भरोसे का प्रतीक (A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)
punjab national bank ...the name you can BANK upon!

एआरएमबीः पश्चिम दिल्ली, दूसरी मंजिल, विक्रांत टावर, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली – 110008
ईमेल– cs8334@pnb.bank.in

अचल सम्पत्तियों की ई–नीलामी हेतु बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु ई–नीलामी विक्रय नोटिस,

आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर्स को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का सांकेतिक/वास्तविक कब्जा(नीचे वर्णित अनुसार), प्रतिभूत लेनदार पंजाब नेशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जाएगा। बकाया राशि की वसूली, कर्जदार(रों) और गारंटर(रों), आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि का विवरण नीचे दी गई तालिका के अनुसार

प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री की अनुसूची

क्र. सं.	शाखा का नाम / खाते का नाम / कर्जदार/गारंटर्स खाते का नाम एवं पता	क) सरफासी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना की तिथि ख) दिनांक के अनुसार बकाया राशि ग) सरफासी अधिनियम 2002 की धारा 13(4) के अंतर्गत कब्जा की तिथि घ) कब्जा की स्थिति सांकेतिक/भौतिक/रचनात्मक	अचल बंधक सम्पत्तियों का विवरण / स्वामित्व का नाम (बंधक सम्पत्तियाँ)	आरक्षित मूल्य ईएमडी बोली वृद्धि राशि	नीलामी की तिथि एवं समय	सुरक्षित लेनदारों को ज्ञात एन्कम्ब्रेन्स का विवरण
1.	एआरएमबी पश्चिमी दिल्ली **मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड (अपने निदेशकों/अधिकृत प्रतिनिधियों श्री सुहैल सिंह, श्रीमती नम्रता भाटिया एवं श्री परविंदर सिंह भाटिया के माध्यम से)** 2747/6, द्वितीय तल, चुना मंडी, पहाड़गंज, मध्य दिल्ली, दिल्ली – 110055 **इसके अलावा:** एफ–27(ए), रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान – 301019 **इसके अलावा:** जी–1–127, रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान – 301019 **श्री सुहैल सिंह (मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक/गारंटर)** मकान संख्या 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली – 110034 **श्रीमती नम्रता भाटिया (मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक/गारंटर)** मकान संख्या 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली – 110034 **मैसर्स नीरा मेटल कंपनी (अपनी स्वागिनी श्रीमती नम्रता भाटिया के माध्यम से) (मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड की गारंटर/बंधककर्ता)** मकान संख्या 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली – 110034 **इसके अलावा:** जी–1–127, रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान – 301019 **मैसर्स भाटिया ट्रेडिंग कंपनी (अपने स्वागी श्री परविंदर सिंह भाटिया के माध्यम से) (मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड की गारंटर/बंधककर्ता)** मकान संख्या 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली – 110034 **इसके अलावा:** एफ–27(ए), रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान – 301019 **श्री परविंदर सिंह भाटिया (मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक/गारंटर)** मकान संख्या 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली – 110034।	क) **01.02.2025** ख) रु. **21,06,47,133.49**/– साथ ही आगे का ब्याज और शुल्क ग) **30.05.2025** घ) सांकेतिक	1. निर्मित फ्रीहोल्ड संपत्ति संख्या 99 की संपूर्ण प्रथम मंजिल बिना छत के अधिकार सहित, जिसका क्षेत्रफल 155.94 वर्ग मीटर (186.53 वर्ग गज) है, जो पब्लिक सेक्टर (पी एंड टी) एम्प्लॉयी सेंट्रल को–ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड की लेआउट योजना में स्थित है, जिसे "संदेश विहार", पीतमपुरा, दिल्ली – 110034 के नाम से जाना जाता है, सामान्य मार्ग एवं सीढ़ियों के उपयोग के अधिकारों सहित तथा अधोस्थित भूमि में 33% अविभाजित हिस्सेदारी सहित, जो श्री परविंदर सिंह पुत्र श्री जगत सिंह के नाम पर पंजीकृत है, विभाजन विलेख संख्या 11588 दिनांक 01.08.2019 के अनुसार। **चौहद्दी: पूर्व :** संपत्ति संख्या 100, **पश्चिम :** संपत्ति संख्या 98 की भूमि, **उत्तर :** 30 फीट चौड़ी सड़क, **दक्षिण :** सर्विस लेन 2. औद्योगिक प्लॉट संख्या G1–127, रीको औद्योगिक क्षेत्र–।। (डी), खुशखेड़ा, अलवर, राजस्थान में स्थित, जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग मीटर है, जो मैसर्स नीरा मेटल कंपनी (स्वामिनी – श्रीमती नम्रता भाटिया) के नाम पर दर्ज है, विक्रय विलेख संख्या 20210311105213 दिनांक 25.10.2021 के अनुसार। **चौहद्दी : पूर्व :** जी1–126बी, **पश्चिम :** जी1–127ए, **उत्तर :** 24 मीटर चौड़ी सड़क, **दक्षिण :** जी1–140 एवं जी1–141	रू. **3.24** करोड़ रू. **32,40,000/-** रू. **2.00** लाख रू. **3.06** करोड़ रू. **30,60,000/-** रू. **2.00** लाख	**04.08.2026** पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 04.00 बजे	ज्ञात नहीं

ई–नीलामी बिक्री के संक्षिप्त नियम एवं शर्तें : बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 में वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। 1. नीलामी बिक्री "ई–नीलामी" पोर्टल **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी। (2) ई–नीलामी के लिए प्लेटफॉर्म (**https://baanknet.com**) ई–नीलामी सेवा प्रदाता मेसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय यूनिट 1, तीसरी मंजिल, VIOS कमर्शियल टॉवर, वडाला ट्रक टर्मिनल के पास, वडाला ईस्ट मुंबई–400037 (हेल्पडेस्क नं. 91 8291220220, ईमेल आईडी: **support.https://baanknet.com**) द्वारा प्रदान किया जाएगा। इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को ई–नीलामी सेवा प्रदाता की वेबसाइट **https://baanknet.com** पर ई–नीलामी प्रक्रिया में भाग लेना आवश्यक है। यह सेवा प्रदाता पोर्टल पर ई–नीलामी पर ऑनलाइन प्रदर्शन/प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा। (3) बिक्री की सामान्य शर्तों और नियमों से युक्त बिक्री नोटिस निम्नलिखित वेबसाइटों/वेब पेज पोर्टल **(1) https://baanknet.com (2) www.pnbindia.in** पर उपलब्ध/प्रकाशित है। (4) सफल बोलीदाता द्वारा बैंक को बिक्री प्रतिफल का भुगतान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 194–1ए के अंतर्गत टीडीएस के अधीन होगा तथा सफल बोलीदाता द्वारा बोली राशि का शेष 75% जमा करने/बोली राशि की पूर्ण जमा करने के समय ही टीडीएस का भुगतान किया जाना है। (5) संपत्तियों को "जहां है जैसी है" और "जो है जैसी है" तथा "जो भी है जैसी है" के आधार पर बेचा जा रहा है। (6) उपरोक्त अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित परिसंपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत बयान या चूक के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। (7) सरफेसी अधिनियम की धारा 13(8) के तहत नोटिस, और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के साथ सभी मामलों में जारी किया गया है, (8) बिक्री की विस्तृत शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com, www.pnb.bank.in** देखें।

सरफासी अधिनियम 2002 के नियम 8(6) के अंतर्गत बिक्री सूचना

प्रकाशन की तिथि : 19.07.2026 स्थानः दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक